Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D—7907

PAPER—III

VISUAL ARTS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

VISUAL ARTS

दृश्य कलाएँ

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each question carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following paragraph carefully and answer the questions followed in 30 words each :

Visual tradition has a long history ever since its inception. Creativity has always been the mental and physical activity. To understand creative potential of human beings, the visual production becomes a natural choice. In the development of pictorial tradition, there has been number of issues that are associated with the internal and external factors. Visual language is self-independent and is devoid of any grammatical rules of spoken or written language, therefore, any development in the visual tradition is highly self-creative keeping in mind the expectations of patrons, society and art dealers etc. The one world view which is being advocated in the international political space is no alien in the present day art practices. Infact, art had crossed its geographical boundaries and became highly mixed which is termed as 'eclectic'. Eclecticism is not a new concept in Indian visual culture. There are examples like Ellora, a highly eclectic monument in terms of stylistic formulations.

When Rajasthani painters interacted with Mughal court painters, assimilation of certain elements have taken place. In the modern period, the growth of visual art became so hybrid that it became difficult to set any common standard of judgement for asserting the notion and criteria for modernity.

In the context of modernity we do have examples of Raja Ravi Verma, Shergil, Abanindranath Tagore, working in a politically and intellectually charged atmosphere to make their works of art stand the scrutiny of idea of 'modernity'. Raja Ravi Verma went for absorbing European academic realism whereas Shergil adopted western modernism synthesising with the Pahari paintings. On the other hand, Abanindranath Tagore appropriated Ajanta and Medieval pictorial traditions. Thus it is evident that the growth of modern art is very hybrid.

If one questions at social level, then the notion of modernity becomes questionable paradigm because India being multi-cultured caste-society and dominance being integral part of Indian social system, the modernist ideas and principles could never challenge the internal social, intellectual, cultural dominance. It is the gross marginalisation of the creative space which needs to be addressed in the present day creative space.

दिए गए अवतरण को ध्यान से पढ़िए तथा दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए :

दृश्य परंपरा का इसके शुरु होने से लेकर पूरा लम्बा इतिहास है। सर्जनात्मकता एक मानसिक एवं शारीरिक प्रक्रिया है। मानव की सर्जनात्मक क्षमता को समझना, दृश्य उत्पादन एक स्वाभाविक प्रेरणा से सम्बद्ध है। चित्रात्मक परम्परा के विकास के साथ बहुत से आभ्यंतर एवं बाह्य तत्व जुड़े हैं। दृश्य कला की अपनी

स्वतंत्र भाषा है जो मौखिक एवं लिखित भाषा के व्याकरणिक नियमों से परे है। अत: दृश्य परम्परा के विकास में अत्यन्त सर्जनात्मकता है जिसमें परम्पराओं के संरक्षकों, समाज और सम्बद्ध व्यापारियों की अपेक्षाओं आदि को ध्यान में रखना पड़ता है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एक संसार के विचार को बढ़ावा दिया जा रहा है लेकिन आधुनिक कला के लिए यह विचारधारा नई नहीं है। वास्तव में कला ने भौगोलिक सीमाएं पार कर ली है। इसमें अत्यन्त मिश्रण हो गया है जिसे ग्रहणशीलता कहा गया है। ग्रहणशीलता भारतीय दृश्य कला के लिए नई संकल्पना नहीं है। एलोरा जैसे उदाहरण हैं जिनमें शैलीगत दृष्टि से अत्यन्त ग्रहणशील स्मारक दिखाई देती है।

जब राजस्थानी चित्रकारों का मुगल दरबार के चित्रकारों से सम्बन्ध स्थापित हुआ तो कुछ तत्वों का समीकरण हुआ। आधुनिक काल में दृश्य कलाओं के विकास में इतना अधिक मिश्रण हो रहा है कि आधुनिकता की कसौटी और धारणा को तय करने के लिए कोई सामान्य मानक स्थापित करना कठिन हो गया है।

आधुनिकता के संदर्भ में हमारे समक्ष राजा रवि वर्मा, शेरगिल, अबीन्द्रनाथ टैगोर के उदाहरण हैं। इन्होंने अपनी कला के सर्जन के लिए जिस राजनैतिक और बौद्धिक वातावरण में काम किया उसमें उनकी कला के सर्जन में आधुनिकता की धारणा अभिव्यक्त हुई है। राजा रवि वर्मा ने यूरोप के शैक्षणिक यथार्थ को ग्रहण किया जबकि शेरगिल ने अपनी कला में यूरोपीय आधुनिकता को अपनाते हुए पहाड़ी चित्र शैली का मिश्रण किया है। दूसरी ओर, अबीन्द्रनाथ टैगोर ने अजन्ता और मध्यकाल की चित्रात्मक परंपरा को स्वीकारा। अत: यह सत्य है कि आधुनिक कलाओं के विकास में सम्मिश्रण है।

यदि सामाजिक स्तर पर प्रश्न किया जाय तो आधुनिकता की धारणा पर प्रश्न चिह्न लगता है क्योंकि भारत बहुसांस्कृतिक तथा जातिपरक समाज है। प्रभुत्व आज भारतीय सामाजिक व्यवस्था का अभिन्न अंग हो गया है। आधुनिक विचार और सिद्धान्त आभ्यंत समाज, बौद्धिकता, सांस्कृतिक प्रभाव को चुनौती नहीं दे सके। आज सर्जनात्मक स्थान को ठोस स्थान पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

1. Why is visual language self-independent than the written language ?

दृश्य भाषा लिखित भाषा से स्वतंत्र क्यों है?

2. What are the similarities between the idea of one World Political space and art practices.

एक संसार राजनैतिक स्थान के विचार और कला सर्जन में क्या समानताएं हैं?

3. How do painters like Raja Ravi Verma, Amrita Shergil and Abanindranath Tagore worked to create modern pictorial language.

आधुनिक चित्रात्मक भाषा के सर्जन में राजा रवि वर्मा, शेरगिल और अबीन्द्रनाथ टैगोर जैसे कलाकारों ने कैसे काम किया है?

4. What do you understand by term Eclecticism ? Give examples.
ग्रहणशीलता से आप क्या समझते हैं? उदाहरण दीजिए।

5. Why modernity becomes questionable paradigm ?
आधुनिकता विवादास्पद क्यों है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Describe the importance of Vishnudharmottara purana for the Indian Art.
भारतीय कला में विष्णुधर्मोत्तर पुराण के महत्व का वर्णन कीजिए।

7. Discuss how art and society have close relation.
कला एवं समाज में घनिष्ठ संबंध कैसे है इस पर चर्चा कीजिए?

8. Write about the style of painting during company administration.
कम्पनी प्रशासन के समय की चित्रकला शैली के बारे में लिखिए।

9. What is abstraction ?
अमूर्तता क्या है?

10. Explain 'inner vitality' in sculpture.
शिल्प कला में आभ्यंतर ओज की व्याख्या कीजिए।

11. Define 'Narrative' ?

'नैरेटिव' की व्याख्या कीजिए।

12. Sarbari Roy Choudhary is known for what kind of work ? Explain.

सरबरी राय चौधरी किस प्रकार की कला के लिए प्रसिद्ध हैं? व्याख्या कीजिए।

13. Describe some of the large works of Balbir Singh Katt.
बलबीर सिंह कट्ट के कुछ बृहत्त कार्यों का वर्णन कीजिए।

14. How important is "material in sculpture". Explain giving references.
'शिल्प कला में सामग्री' कितनी महत्वपूर्ण है? संदर्भ देते हुए व्याख्या कीजिए।

15. Write a short note on any one modern print makers from India.

भारत के किसी एक आधुनिक छापा कलाकार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

16. How do you store the litho stone after printing so that the image can be reprinted after a gap of time ?

लीथो-स्टोन पर छपाई के बाद आप किस प्रकार रखेंगे जिससे समय के कुछ अन्तराल के बाद चित्र को पुन: छापा जा सके।

17. Write technically about dry-point, metal engraving and mezzotint. What is the difference in each one of them ?

ड्राई प्वाईंट, मैटल एनग्रेविंग, मैजोटिंट के तकनीक के बारे में लिखिए। इनमें क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

18. How does internet advertising differ from other media ?

इंटरनेट विज्ञापन अन्य विज्ञापन माध्यमों से किस प्रकार भिन्न है?

19. What is the principle of letterpress printing process ?
लेटरप्रेस प्रिंटिंग प्रक्रिया का सिद्धान्त क्या है?

20. What is AIDCA formula ? (Attention, interest, desire, conviction, action) Write.
ए आई डी सी ए फार्मूला क्या है? (ध्यान, अभिरूचि, इच्छा, दृढ़ विश्वास, क्रियाविधि) के संबंध में लिखिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

(DRAWING AND PAINTING)
(ड्रॉईंग और पेंटिंग)

21. Describe the importance of "lines" in the Indian Visual Art. Explain with examples.
भारतीय दृश्य कलाओं में रेखाओं के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए।

22. What is Dadaism ?
दादाइज्म क्या है?

23. What is manuscript paintings ? Explain with examples.
पाण्डुलिपि चित्र कला क्या है? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

24. Describe in detail the media, materials and the subject used in the prehistoric paintings.
प्रागैतिहासिक चित्रकला में प्रयुक्त संचार सामग्री एवं विषय के बारे में विस्तार से लिखिए।

25. Discuss the paintings of Raja Ravi Varma based on Indian themes in European style.
राजा रवि वर्मा की यूरोपियन शैली में भारतीय विषयों पर आधारित चित्रकला के बारे में बताइए।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

ART HISTORY
कला-इतिहास

21. Contest the notion of 'modernity' in the Indian context and analyse its outcome.
भारतीय संदर्भ में 'आधुनिकता' की धारणा का विवाद एवं उसके परिणामों का विश्लेषण कीजिए।

22. Analyse the nationalism in the interpretation of visual tradition and its aftermath.
दृश्य परम्परा की विवृत्ति में राष्ट्रीयता का विश्लेषण कीजिए और उसके परिणामों के बारे में बताइए।

23. Critically evaluate the observation "From iconology to new art history."
प्रतिमा विज्ञान से नव कला इतिहास तक अवलोकन करते हुए आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

24. Outline the importance of textual tradition for understanding image tradition in India.
भारतीय प्रतिमा परम्परा को समझने के लिए ग्रंथ परम्परा के महत्त्व को संक्षेप में बताइए।

25. Trace the importance of artisans through textual and epigraphical evidences.
ग्रंथों और शिलालेखों से प्रमाण देते हुए शिल्पकारों के महत्त्व के बारे में बताइए।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

SCULPTURE
शिल्प कला

21. Choose any two female sculptors and compare their works giving emphasis on material also.
किसी भी दो महिला शिल्पियों का चयन कर उनके द्वारा प्रयुक्त सामग्री पर प्रकाश डालते हुए उनकी कला की तुलना कीजिए।

22. Kushan period is specially known for what kind of sculptures ? Describe.
कुषाण काल विशिष्ट रूप से किस प्रकार के शिल्प के लिए जाना जाता है? वर्णन कीजिए।

23. Write about Indus Valley Civilization with emphasis on sculptures.
शिल्पकला पर प्रकाश डालते हुऐ सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में लिखिए।

24. Indianness in Indian sculptures has been a debatable topic since early 60's. Please explain giving references.
60 के दशक के आरंभ से भारतीय शिल्पकला में भारतीयता एक विवादास्पद विषय है। संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

25. Name three sculptors having done much portraitures and compare their portraits.
उन तीन शिल्पकारों के नाम बताइए जिन्होंने व्यक्ति शिल्प अधिक बनाए। उनके व्यक्ति शिल्पों की तुलना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

PRINT MAKING

छापा-कला

21. Silk screen is a kind of stencil printing. How the technological development has changed from simple stencil to a complex multi-coloured image? Explain.

सिल्क स्क्रीन एक प्रकार की स्टैंसिल प्रिंटिंग है। सामान्य स्टैंसिल से जटिल बहुरंगी प्रतिमा नीर्मीती का तकनीकी विकास किस प्रकार हुआ?

22. Write on Modern American prints and its impact on art scene in India.

आधुनिक अमरीकी छापा चित्रण एवं उसका भारतीय शिल्प कला पर प्रभाव के बारे में लिखिए।

23. Name the types of grounds used to resist in etching plate making. Explain in detail how they are prepared ?

पतरा बनाने में आने वाली अड़चनों में प्रयुक्त आधारों के प्रकारों का नाम बताइए। वे किस प्रकार से तैयार किए जाते हैं, इसके बारे में विस्तृत व्याख्या कीजिए।

24. Write on the graphic prints of early 20th century in India.

भारत में बीसवीं सदी से पूर्व की ग्राफिक प्रिंट के बारे में लिखिए।

25. Write critical notes on any two print makers from the following.

(A) Deepak Bannerjee
(B) Anupam Sood
(C) Paul Koli
(D) Laxma Gaud
(E) Palyppan
(F) Jyoti Bhatt

इनमें से किसी दो छापाकारों के बारे में समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए :

(A) दीपक बनर्जी
(B) अनुपम सूद
(C) पॉल कोली
(D) लक्ष्मा गौड़
(E) पल्यप्पन
(F) ज्योति भट्ट

OR / अथवा

Elective - V
विकल्प – V

APPLIED ART
अनुप्रयुक्त कला

21. What is an advertising campaign ? What factors must be considered in planning a campaign ?
विज्ञापन मुहिम क्या है? मुहिम की नीति बनाने में कौन से तत्वों को ध्यान में रखा जाना चाहिए?

22. Discuss the importance of packaging from the seller's as well as consumer's point of view.
क्रेता एवं विक्रेता की दृष्टि से पैकेज के महत्व के बारे में चर्चा कीजिए।

23. What is brand ? Why is branding necessary ? What are the essentials of a good brand name ?
ब्रांड क्या है? इसकी आवश्यकता क्यों है? अच्छे ब्रांड नाम की अनिवार्यताएं क्या हैं?

24. Explain, "Advertising is salesmanship in print."
'मुद्रण में विज्ञापन विक्रय कला है'- चर्चा कीजिए।

25. Define and discuss corporate advertising.
निगम विज्ञापन की परिभाषा दीजिए और चर्चा कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Write about the influence of western modern art in the Indian art scene. Comment on the changes it has brought.

भारतीय कला पर आधुनिक पाश्चात्य कला के प्रभाव के बारे में लिखिए। उसके द्वारा किए गए परिवर्तनों पर टिप्पणी कीजिए।

OR/अथवा

(b) Write an essay on any art movement either in India or West.

किसी पाश्चात्य अथवा भारतीय कला आंदोलन पर एक निबंध लिखिए।

OR/अथवा

(c) Ramkinkar Baij is considered to be the father of Modern Indian sculptures. Please explain with reference.

रामकिंकर बैज आधुनिक भारतीय शिल्प के जनक माने जाते हैं। संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

OR/अथवा

(d) Explain the prints of Krishna Reddy with his method of viscosity print making process.

कृष्णा रेड्डी के विस्कासिता छापा बनाने की प्रक्रिया विधि पर प्रकाश डालते हुए उनके छापों की व्याख्या कीजिए।

OR/अथवा

(e) What is motivational research and does it differ from other forms of research ? Discuss.

अभिप्रेरित शोध से क्या तात्पर्य है? क्या यह अन्य प्रकार की शोध से किस प्रकार भिन्न है? चर्चा कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....